कोई जब तुम्हारा सहारा ना हो भजन लिरिक्स

कोई जब तुम्हारा सहारा ना हो,
फँसी नाव को जब किनारा ना हो,
तब तुम चले आना दरबार में,
ये बाबा खड़ा है,
खड़ा ही रहेगा तुम्हारे लिये,
कोई जब तुम्हारा सहारा ना हो,
फँसी नाव को जब किनारा ना हो।bd।

तर्ज – कोई जब तुम्हारा ह्रदय ।

अंधेरो भरी हर तेरी राह में,
चले बन उजाला तेरे साथ में,
हो रंगीन पल या ग़मों की घड़ी,
तेरा हाथ होगा सदा हाथ में,
तन्हाई जो तुझको डराने लगे,
कदम ग़र तेरे डगमगाने लगे,
तब तुम चले आना दरबार में,
ये बाबा खड़ा है,
खड़ा ही रहेगा तुम्हारे लिये,
कोई जब तुम्हारा सहारा ना हो,
फँसी नाव को जब किनारा ना हो।bd।

है खुशियों में साथी तेरे हर कोई,
बुरे वक्त में सब बदल जाएँगे,
समझता रहा तू जिन्हें हमसफ़र,
तुझे छोड़ आगे निकल जाएँगे,
जब अपने भी आँखे दिखाने लगे,
ज़माना भी ठोकर लगाने लगे,
तब तुम चले आना दरबार में,
ये बाबा खड़ा है,
खड़ा ही रहेगा तुम्हारे लिये,
कोई जब तुम्हारा सहारा ना हो,
फँसी नाव को जब किनारा ना हो।bd।

घड़ी दो घड़ी की तेरी ज़िन्दगी,
ये पानी के जैसे गुज़र जाएगी,
कर ले सुमिरन तू भी श्याम का

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

जो बिगड़ी है वो भी संवर जाएगी,
'तरुण' जब समय पास आने लगे,
ये साँसे भी हाथों से जाने लगे,
Bhajan Diary Lyrics,
तब तुम चले आना दरबार में,
ये बाबा खड़ा है,
खड़ा ही रहेगा तुम्हारे लिये,
कोई जब तुम्हारा सहारा ना हो,
फँसी नाव को जब किनारा ना हो।bd।

कोई जब तुम्हारा सहारा ना हो,
फँसी नाव को जब किनारा ना हो,
तब तुम चले आना दरबार में,
ये बाबा खड़ा है,
खड़ा ही रहेगा तुम्हारे लिये,
कोई जब तुम्हारा सहारा ना हो,
फँसी नाव को जब किनारा ना हो।bd।

Singer – Rajni Rajasthani

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com